>

Title: Need to make strict laws to prevent frauds in providing pension to the freedom fighters.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (महेसाणा): सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि सरकार स्वतंत्रता सेनानी, जो आजादी की वेदी पर चढ़ गए, उन्होंने तो भारत को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराने के अलावा कुछ सोचा ही नहीं था। अगर स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिजनों के लिए सरकार ने कुछ सोचा, तो भ्रष्टाचार उनका हिस्सा बांटने के लिए भी पहुंच गया। सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिजनों के लिए विभिन्न प्रकार की सुविधाएं प्रदान की हैं। उनके कल्याण के लिए मार्च 2009 तक करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं। मार्च 2009 तक पेंशन के लिए 640.65 करोड़ रुपए की राशि व्यय की गई है और निशुल्क रेलवे पास के लिए पांच करोड़ रुपए की राशि खर्च की गई है। उनकी समस्या निवारण हेतु प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों की समिति का गठन किया गया है, किंतु उपयुक्त कानून नियमावली के अभाव में धोखाधड़ी भ्रष्टाचार अनियमितता का घर बन गया है। फर्जीनामा, उनके उत्तराधिकारियों की बढ़ती संख्या, कम आयु के पेंशनधारी, फर्जी प्रमाण-पत्र इत्यादि वर्तमान में करीब 2500 या 3000 लोग फर्जी पेंशन पाने के लिए विभिन्न कोर्टों में सरकार के खिलाफ मुकदमा लड़ रहे हैं।

मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि इस योजना को सुचारु रूप से चलाने हेतु सख्त कानून, नियमावली, नियमित निगरानी का अवलम्बन करे, जिससे निराधार, विकलांग, बीमार वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानियों को इस योजना का लाभ प्राप्त हो सके। धन्यवाद।